

यिमंडयि॥ ३ ॥ दयिमस्यमसुलसंसमसुलसुलदालिउरुयाडावाड्थयनिउ
 उधमयाययागजयनरिनकडियनिमसुलजुह्मायुमनशसुविमयसालधुमं
 उथदवलवालदयिगनयतिमसुनश्रीश्वेशुधमनादयोयासुलुनाययामं॥
 ॥युमंनरिरुमस्यमसुलसंयनरुयनेवेनयासुलानांननरुयनेधमदेहायः
 जिगंशामिश्रीयेशुधमनाविमं॥ ४ ॥ थथेदेददवीगनयनिमसुलुनायः॥

यादाडा श्री श्वश्रु धारा दयो ल उ लू य न रिग या दा डा म ल म धु न स या नि स ल
यागु प्रय र ल उ गु लि प्रय रु या डा ध म द स ना या ग डा न ध के श्री श्वश्रु धा रा द
धी सिंग ना या ग ॥ ॥ ॐ गि म ला पि का य रु लि ला श्री य शु धा रा म क नू यं श्री
महा लक्ष्मी म क नू यं श्री कामात्री म क नू यं ॐ गि वि स ल ध धा य र द गी नां ॥
५ ॥ य न वि रु ना या म दि द्रा डा डा सु गु नि प्र य रु लं द्र द धा ल सा श्री श्वश्रु धा रा

॥ महा लक्ष्मी रु गु नि प्र य रु लं कामात्री रु गु नी प्र य रु या डा ज ध धा
ल ग लं ॥ ॥ ॐ वा क र्त्तु स भा ग ना द यो को मा ग य यो म रु
लि स नि ध य सि ला ॥ ५ ॥ य थ न रं श्री श्वश्रु धा रा द यो न
गो डा दे डा डा ज ध धा य ना द म र्त्तु नि रु डा लं थ नी रु स नं रा दा न
श्री श्वश्रु धा रा द यो न म ला ल या डा डा रु द यो रु ल या ल स नं रु रु

॥ दिवावाव ॥ श्रीशुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥ १ ॥
 यद्येवमसंभुल गला ॥ शुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥
 ॥ दनदिम्वरुष धावद्वयनि निक्षिद्रं मलमंभुलसुडाडासु ॥ ३
 दुखवद्वनिधकं श्रीशुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥
 केलेधनसकाकि ॥ २ ॥ नदिम्वरुष धावद्वयनि निक्षिद्रं मलमंभुलसुडाडासु

॥ ३ ॥ शुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥ दिवावाव ॥ श्रीशुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥
 शुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥ ॥ श्रीशुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥ १० ॥ श्रीशुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥
 न जाह्नादय कलं ॥ ॥ नदिम्वरुष धावद्वयनि निक्षिद्रं मलमंभुलसुडाडासु ॥
 शुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥ ॥ श्रीशुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥
 शुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥ ॥ ॥ धनश्रीशुभलादयो न जाह्नादय कलं ॥

जस्य धाव निरुं मल्लम लडाडा शानं ॥ नाना विविं ॥ ॥ नाना विविं नोयक
नन धत्ता जूर गुका गो ॥ १२ ॥ थथ धलना शवि विग खदा शमदा जूर गवाल ॥
१२ ॥ विंदिका मने स्ते ला विविं गे मि वृयं थप्रया मि गिगं क अगि विने थुव रिम
ना गद्यारं सा क न गिगं क अगि रि ॥ १३ ॥ थनं वि थय नि स्यं विं न ना या ल ज
थ थप्रसा रं वि का या म थान स वादा श विविं गे रि ड मि सा या वृय रया श म

दा वाडा स्वय थकं विं न ना या म थ थ विं न ना या दा श जय स ना या थि सल या
दा श ना वि श प्रया दा श म दा क म व न म्म दा ला श थान ॥ ॥ गवा ऊन यद
नियामि उन म्म ला कू ना डा गो दि व द्यार्थ ज क स गि ग व व या के ॥ १४ ॥ थथ
व स थ य नि स न म्म दा ला श थान थ य व स द स या वा सि नि उन य नि स न म्म दा
वा गु नि स व ना या श द स या वा द य नि स न थ व म न म्म दा व थ कं ज ग रि ड

सत्रधकः शुभययायुः का कवचन धकः ॥ ॥ सर्वम्यगं निरूयनः कश्चि शो
 कोदसः शुभं गङ्गा न दसिन वं दि का हान दि द्या सि र्थो वमन क्र ना यन ॥ १७
 ॥ सकलस्य नं निरूयया डा उ गु लि हिनं दस जन य नि स्य न स्वय धक शनं द
 सस शो ड या नि स्य र व न ध थ ज न ग रि ड जी र न ल क न सं श क मि सा नि क र उ
 का थ न र व न ॥ ॥ गंदसन मा पु न य गु न स क र ना का र र व म स मं ज ल्य य व

७

दय क न्या न व म नू क क न्या गु गि म ल्या य र्ण ग ना ॥ १८ ॥ थ मि स्या ना र व ड
 मा ग न थ द स या लो क य नि र व क्रा य म द स्य जा वा ऊ वा या डा शो ड र व र शु म
 क वा डा डा क्रा र थ य नि द य म क न्या वा म नू र थ क न्या ला थ य नि म र्ण मं शु न
 म नू र थ क न्या जा म ध क थि थि र व क्रा स्य वि हा डो गो ॥ ॥ सा य क न्या ना गि व
 गि मू क र मा गं दू क थ द क न य सि मा ड ल स य नि दि नं क लो गि स ॥ १९

॥ ७॥ दधियनिःशुद्धा गथा धलसा दधुनिःशुद्धा न समवाड मूद्रा मातुं गच्छ
नन युद्ध दधिम यक्षी मडुल वरु दिगर्तु दिथं २ दिदू यां डी म्यदा ना डी रुव
॥ ॥ ये ध्या या वज ना सर्व दूयुं जागाल लिंगं ॥ १६ ॥ ॥ यथ यनि थथ रुडा
रवदा ज या वजन यनि स्थन सकने जयु वाया डी दूगा मन डादा डी ग ल्हा वनं
जा जाया क्क डा डी निदद ना याग ॥ ॥ ॥ दध किमर्थ वंदि का ल्हा न दिथ सि

७

थोवन गिगं यनि दिनं कला गिगं मधु वनि मिगं वा जसू वनि मिगं वा नडा नामि
न डि ल्हा मिगार्थ विज्ञा यिगं ॥ १७ ॥ ॥ गथा धलसा दधे य दमदा वा डी किमार्थ
दूया ज थन वी धु का द विद्या स न म ज हं ग जी रुन रिद मि सा नि क्क स न दिथं
म्यदा ना डी गु वान रिद वा म रिद ला थू गु विरय दिथं नि स्थन दू ल था व या विम
गिया गज या क्क विज्ञा य मा व ॥ ॥ वाजा द्या म्य धि मा मा य धु र ना मि व

जाविगाय वादयं सिगा ॥ २० ॥ यथा यथा जा कयनि स्थन धया यवन नडडा
जा जा याम्वा श्याश धम मि साजन डी ना धक धम नदा यो हसां रिड जां मेख
ग थारय डी धक राजान विग नाया डा डी थ थ्य वाद ॥ ॥ गे र्का वन वगल मणि
नाद हने न ना वा जाना गा ॥ २१ ॥ यथा यथा नन थुगु वि नगल म जू गिन द द व
यन थ थ्य मि द स्थनं वा जा वि दाम डी म वा न ॥ ॥ गे न नुल जल थ्य श्यो वि

यगा किन थं वा जाना गा ॥ २२ ॥ यनं विला जा वि दाम डी या डी जल थ्य श्य
न विग नाया गे ड्या ज धन थ वा जा ला ड गे हन वि दाम डी ॥ ॥ गे नो दि वि
आरु वि रं वि नने किं य था जन जू वि ग म दा य वा रू रू य मा ल य ड दान
य थ्य क वि नि वि धं स ना यः गा ॥ २३ ॥ यनं वि जल थ्य श्य नं नो दि मूर क्य
डा जन धम थ्य श्य श्य वा दि न आरु दय का डल वि वर न वा न म गे ध क

[illegible]

थनविथयनिःसिद्धं थउमानसः उद्धाउदसदिगसंखल नदिमूरव नजख धारव
याद्धाअन्य धाल गथासिद्धिस्यन यायद्धयिउधक गुगुवि के लूनयायद्ध के जख धा
खन हौ लूमूरव याद्धाउने धाल उथागगे था सिद्धिस्यन याय गुलि कर्जे सिधयव
थथाद्ध सिद्धिस्यन याय धकाउ थउमान यूरव न निःस्य न कल ॥ ॥ न गोउद्ध
नउनायो नंगं सदावनादं धिक्का बाजा निवदिन देव सदावना देन उद्धा नयूकवि

निविष्टं स्यात् ॥ २७ ॥ थनं मित्रमानयस्व विस्त्रिणा यादवद कृत्तनशया
उभयशालना स्यं थमहावा नरा यनिरवदो ज्ञा का उ वा जगृहशदा ज्ञा
जाया क निवेदनायाग देव महावाज न शिध महायमोदिव निस्त्रनकृत्तव
नया उमानयस्व लिस्त्रनक भोगथायाय धके ॥ ॥ वाजा शुक्र वाजा उधमसं
भनकिं रुयो सगि र्देदुदने विस्त्रिणि ॥ ॥ रुद्र मंका धा यं ना का वृयनिस्त्र

॥ २८ ॥ थनं उमानया र्ददाश वाजा यददाश ज्ञान उभयं रुद्रा रुद्रा क्षत्र
रुद्रियि शधक र्ददाश रिद जां मरु धका ज गथा रुद्रियि शधका ज थनं विनं सनायाग
दा जयं थ थठ का ज यजा यनि शाय कत्त ॥ ॥ गगुला योनज ना वाजा संराग
नार्किं माहाययसि ॥ २९ ॥ थथथ्यं थथथदाश वाय क्स्त्रनान ददाश यु
वाक यनिस्त्र कत्त वाज संराग रुद्र जले वाजा यादु अन्य युजा यनिस्त्र क्षत्र द

आह्लादयकस्य विद्यादाहं मरुता उधकं ॥ ॥ आह ॥ अहं किं न जनासि उ
 सा ननु मियनयं गगा किं विद्यामि ॥ २८ ॥ न जान आह्लादयकस्य वि
 ज्ञानं हे यजा वाक्यनिजा उग नं मिसन मसियानिना धकं थथिद मरु
 वासाय निमन मिजिस्त उमान वसूनिमन कना थवा वासाय निगथमिः
 जिमन वाय धकं सुया स धकं ॥ ॥ अथ अमाने निवदिमि आह्लादेदि ॥

१०

२९ ॥ यथा न जान आह्लादयका गुविदका यत्र मान यत्र साय निमनं न
 जाया क निमदना याग हे मरुता उग थया स्य विज्ञाय न दा आह्लादयकस्य वि
 ज्ञानं धकं ॥ ॥ न जान उवावः संयद स्य उमान ननु मिगमना या मरुता वा ना
 कद नाय जथाग म माग लु न स्ये जना स स्या स्ये न दाहं ॥ ३० ॥ न जान आ
 ह्लादयकस्य मिजिस्त क न दे उमान ननु मिजिस्त उ थ मरुता वा ना स्ये न के मान

ग थयु मिस्यनरुग थथयु मिस्यन याउ। थनेद दाउ। मरु वा कय नि सुन
 धनं॥ ॥ यथै यममु मदाना नन सर्व मर्का क ला गदु गि ग थ थिये न
 ॥ ३१ ॥ ग थयु न या स्यन जाहाद य क स्य वि ज्ञान ज थ जि मिस्यन याय
 धकं स क स्य न गा न ला ग का उ थ थ गा नी ले क वा न ॥ ॥ यूर्ध्व दि स ना जा
 द कि न सा मा न य डि म दि स्य स ना या ग उ गु दि स स र्ध र्थ न ज ना सि ग ॥ ३२

११

॥ ग थ वा न्य धन सा यूर्ध्व दि सा स ना जा द कि म दि सा स्य न मान य नि य डि म दि
 सा ग थ ना य गि उ गु दि स स म द न क य नि वा न थ थ वा दा उ ना जा न जा हा द
 य क न ॥ ॥ सि ला य न या मा म डि रु ला ॥ ३३ ॥ स कू व स्य न गा व ला ग क न
 ॥ ना ज यू न ल सा रु उ गु थ म्म सा स्य द नां द य ला गु न न धि उ म स क गि स म या द
 गु या मि ॥ ३४ ॥ यून वा न रु नां ला वा न जा हा द य क न ग्व क या दि स न थ वा

नाहोयियका अशान्ता नरुगिरु नुं मरुं स्य दिरुगिरु नुं मउ या क अगसा
श्रुयनि स्रक वंदं दयाय धकं धावं ॥ ३४ ॥ गगो मरुद यना हौं स्रुदना द्वि ॥ स
जासिगः मरुद वा रुकाला द्वा न स्रुद ॥ ३५ ॥ ०३ थाय द स्रुदिसं दय ना क मरुदः ॥ ३६
स्रुदं कलो गि ॥ ३७ ॥ ॥ थ मरुद यना हाय नि निरु स्रुद स्रुदं प्रा क नु य दा य
श्रुद व द्वा ॥ स्रुद स्रुद वा य ॥ ३८ ॥ ॥ थ क या स्रुद ना या ॥ ३९ ॥ ॥ थ द द्वा ॥ ४० ॥ ॥ थ दि गं स्रुद य ॥ ४१ ॥

अस्रुद न स्रुद मरुद यना हा ॥ ॥ थ द न न ग म धि का न ग य द्वा र्गि रु रु दि स्रुद
ना जा गि रु गि ग दि स्रुद ना य नि ॥ ४२ ॥ ॥ थ य नि मि दं रु ना ॥ ४३ ॥ ॥ थ न न मरुद य
यु ग अ य न रु स्रुद ना ॥ ४४ ॥ ॥ थ यं का न रु य क रु न व न मरुद य क रु स्रुद ना ॥ ४५ ॥ ॥ थ व न रु ना
अ सा द्वा रु वि दि स्रुद ना ॥ ४६ ॥ ॥ थ मरुद य ना हा नि र्दं ॥ ४७ ॥ ॥ थ ग न व स्रुद ना ॥ ४८ ॥ ॥ थ अ स्रुद ना
म न नू ग व स्रुद ना नि ॥ ४९ ॥ ॥ थ य नि मि गि य यु गि वि रु यिः या व ग रु मि ना व ग रु मः ॥ ५० ॥

यथाज्ञा जलगात्रकसमस्तना कृदिगंगाना ॥ ३१ ॥ यथाज्ञा यमवादागुपिदि
 भनं यमहावादादा निद्रं वसदाश नाज्ञा मय्यानकल पुनवात्र खवि सुम
 केवादाश धन नाज्ञानगवधनस यमहावादादा नाशो जादादाय दृग नोवे १५
 यवेनसजि यो वा उ उ य धक नाज्ञानविन नायादाश सनगयाश यमहावा
 याहा सिनडा न सनवगनशन ॥ किं विद्वग मितयदा नाज्ञानयनमि

त्रिस्त्य सनद कुरुक जमदृग यवेनस नाज्ञा जलक वृक सिमाकास सनद
 कोदाशयाश वाभन जायाश वाभन सननं सरवयु विनगना यो सानूननक
 वाद ॥ गदा नाज्ञा कृयिग सनया नियम नोखय सयानिय द्यागु मिद्रमि
 सनया नियम नोखमा नो यनिये वसविद न कथं यमिय देने ॥ ४१ ॥ सथ
 यनस नाज्ञान सनया दृग जम धल देस्यन कि कृयिकन द्या सवा वा लख

सुगुणधरु थलद्वयविदया उवाच थुगुलिथयं स जयस नयनि स न सुप्रवृत्तं ध
न कवि या वल्लभ मीतदा उवाच रवन ॥ ॥ सा अयमला स रला ह जा दानि गं मान
वकम नूखा गं कना नमगा ॥ ५४ ॥ यथा यो न्य न जयस न गनयनि स ह थम १०
नूखा रवदा उ स न गलं द मान व म नूखा अगम थं स द्रुग नं श या गुगु वि न ग
न न उ या ध कं दे द ॥ ॥ स न व वा र स न जा ना य रु ल गि द्र न र व न न जा ध स स र

जनं यथा गतीः स न वा र सु ज य र न ज रु व ना दा ग ना दं ॥ ५५ ॥ स्य नं ध न द
वियनि स क रु क वि ग न य नि रि सु ज य र न ज रु या दे स न जि उ या ध कं ॥ ॥ सा
उ वा रः क थं सा ग ग ॥ ५६ ॥ यून यान द वि ग न य नि स न दे न स न द्रु ग थ र या
ध कं ॥ ॥ स न वा र स न जा स न य रु वि गि द्र न र व न न जा ध स स र जन य था ग
रा न जा स म य लि स क र स क र रु न गि द्रु गि न जा ध स स र रु रु ना थ नि य मा ना ग

वागवदह ॥ ५० ॥ सनन धन थक शुभ दय वाजा सवन दय का शरु ल रु
 विंगायि न सवन दय कयन रं दा श युजा य नि स क ल्यं विहा श ना राजा श विम्य
 जिह द रु को जा या थ क ना जा ज सा क रु क री मा या का स नान गु नि थ ना जा या रु
 वि क न या स ग या श नान ध क था या श थ थ द ड डा श न र क का न ग या थ क ॥
 शुवन न दि स दं मा क र्मुं शु क रा ग रु ड र म म रा ग्य न द स नं या म ॥ ५३ ॥ थ गु गु

१८

ने शुवन न दि या स द ड डा श थ न जि श या थ न्य २ जि रा रु न द दि ग न द न थ व द नि
 जि न ड स न ना क थ क ॥ ॥ द वि य सा द स न दि ल वि ना न वि यि त्वा त वि र्ग २ ग रा
 द वि ग न द ने या द द द ना दि कं द थ नि ॥ ५६ ॥ थ द वि ग न द न स न ना थ वि वि
 या य स ल न स न न स ल नं दि या व रा दा श न थ थ या वं ग या दा श रु ना स नं द वि
 ग न या या दू का डु व स न या म ॥ ॥ द वि किं पु न मा ना थ वि य सि ॥ ५० ॥ द द वि

गनहुनयानयनिमन गुगुनि धर्मदस् विज्ञादा धके ॥ ॥ जयसनासादाचमा ॥
 नवनजानासिनेः सदाविडदुरययमावनाथं सिव स्वधवा मावाधयमि ॥
 ७१ ॥ हेमानजहमनूद हुनहुंसासिल सग दाविडदुरययमावा केगु निज्थन ॥ १९
 श्री ३ वस् धवा द यियायन धर्म जिमि सन जना धनाया दा उवादा धके ॥ ॥
 सनवाव सनमयद विगनममारीः लारिवन ॥ यमिव दविदुमिगमावा धयामि ॥

७२ ॥ सननदेविगनयानिसक हुनाययान ॥ हेदविगनसखयादविज्ञाक मरपूवा
 हुनुसविद्यनमश्च लिङ्गयोलयानिसक जिनेशुना हुनाययाय धगु लि धर्मद
 ने जसि नारकर ॥ जिने धगु निट मयमादया सविज्ञादुन धुवन धर्मजिनेद
 के ना धके ॥ ॥ साहुहुमुमिगयमना ययनायामि शयुना मावन ॥ राउयदक
 हुन कनियासु विगमयं ययययदिय नव द्यादिसजिरे सयकआन ॥ ७३

॥ दिग्नयनिष्ठान् ज्ञात्वा दयकलं नमनसः धृगु निवृत्तधर्मदनेन श्रुतः
 ला धर्कं रुचसा गुगु निवृत्तनमनसः श्रुतं रुल धृगु नि वि डि मि स्थन दूनया ठा अ वि य ध
 कं रु स न रु क ध कं थया वगु ग्वे व न स धा व सा गा व न थ व न स रु ड अ या रु दू य २०
 इ ठ मि या क न स म स वि ग म य या दा डाल्या न धृ य दि य न व द रु ला दि स द व न स
 ना व क न ॥ ॥ यून न यि स र्व व ग ना म न स दि गं स र्वे ना म यि स र्वे थ व रु ध व सा

गल्लनया क ना नि न थ क नि र्वे नि ॥ ५४ ॥ यून या न थ थ स म स गान ल्य ग का अ दे
 दिग्नयनिष्ठान् ज्ञात्वा दयकलं नमनसः धृगु नि श्रुतं रुल धृगु नि वि डि मि स्थन दूनया ठा अ वि य ध
 ग न थ व रु ध ल सा ग न थ ग न ज्ञा द य क लं ग थ ग न थ मि डि स र्वे धृ गु नि ध र्म थ
 थ द ना ॥ ॥ यून या न य द सि गं मान व क र्वे व क लि स्या मि रु दं स र्व मं द न ना डा द रु
 मि उ अ म या द मि सि ग थ क नि र्वे नि ॥ ५५ ॥ यून या न य द दिग्नयनिष्ठान् ज्ञात्वा द

यकन ह्मानन पानुव्य कन थथाया ड धक जमगुवि म ल मंउ व याजा यर निन रुय
निमकल गय थन डिमि सन कन थगुवि यल्ल मदन याग कडा याग कि ड थक ॥
॥ दम दान कि धन न थ धल धन रुव भुनू य व द ना गमि स्य स्य व मंगया मि य रु २१
यग संयु भु गिला यम न ना थं द धि ग्व धमय यि रु का दि कं दा यि के न ॥ ७६ यथः
धम द न रु या निमि न धल सा मदा कि द य क या नि मि कि न कि सि धम सि रु ह्मादि

ननु रु रु सा ल द यि रु व थथ डिमि म न कडा दा थ कं यं धा धा व न ध म म क नं ध
नका ड य थ ना या ग क या ग नि मि गि न थ मि द धि ग्व द या म धि रु रु सा लं वि न ॥
॥ गदा स न न रु क न स मा य ग्गु नि या ल रु न गि न या सि न या स न वि व य स र्व क्का दि ला
द वि ग न स र्वा य रु य रु ना जा स मि य ग न स र्व ना जा य रु क न य सि गं द रु स र्वा वि न ॥
७७ ॥ यथ व न स रु वि ग न य नि स न वि या रु या स न मु क वि ल थ व न स या थ ना

याय याग अडाव न स थ व न स स न स न डाल स ड ३१ या स न स या स रू ना द ना या स न
 या ग विया गु नि व रु क स क ने का या ३१ अ डा अ द वि ग न य नि स क ले न ए का न या डा
 ३१ अ ड उ प्र रु ना या या स नि य स नि दा अ ना थ रु ना जा अ स क रु क स सि मा क स थ न क २२
 ३१ न थ व न स सं रा ख डाल ग ॥ ॥ ना जा वा र किं ना य ग वि न वि ग ॥ ३१ ॥ ना जा न थ
 न द स न श्रु या नि मि ति न थ व ग ॥ वि न रं ए न थ डा थ कं ॥ ॥ स न वा र डे सा शी हा ना

२२

आ या नि यु म थ थ र व ना मा ना अ डु ग द वि ग न दृ ष्टुः वि वा रि गं वे वि ग न कि का ल न
 न न वि सा मि थ न म स र्वा या वा रि सं पु ति व ग ॥ ३१ ॥ स न न थ न रू म दा ना रु डे
 म स रू न थाल या न न स का र अ डा दे न स न डु ग द वि ग न य नि स य ड ३१ वि वा न य
 डा रू द वि ग न य नि डु न थाल य नि डु या नि मि ति न वि थ म य या र वि थ डा थ कं ॥
 थ या थ नं नि डु य स वा ग न य नि स न स म थ न या ना मो न र ॥ ॥ मा न य रू ना ग ना

॥ जयसागनयनिम्यनधनरुगननअयाधकंधन॥ ॥ममउडकाथंसागन
 ॥ ५० ॥जिनअयात्रयकानअयाधकंधन॥ ॥तदनगले॥ग्री॥यशुअवायु
 सवासागननानाधिगंधुसामराकं॥दविगनेसमारिवाविगंसमायिअवयामि॥
 ५१ ॥यननिमकलंजयसागनयनिमनश्रयशुअनादवियायुधर्मदडाउया
 दयडाउजिनंअमायुयनजनिहंश्राइनदि॥धर्मदनेकसविद्यायमाधकं॥

२३

नाययाडाउयथाअयाजिनधयधर्मदविगनडा॥नाययुगुविधर्मदडाउयाध
 कं॥ ॥ननरुगुनाविवंविगनयमिमहावाजकमासमयारनाथंदरुयिगुकादधि
 गदिगजमिसुमययानियंयुडरसिगिनेहगगः॥उयधुअविगं॥ ५२ ॥युगुविया
 निमिनयुकाजिविगंरुहनरुमहावाजकमासाद्वयानसकथुनियगुहसविजिडा
 यासनयाययागवियायिगुकमधुहलिदइरंयथनजमिजिनविलथसकनशिनलि

नकह्या, धनरवज्ञायाऽ, धनननथुगु विवगु कसकलं न जाया न दाक्षत्रयैविल
॥ वाजादः जहा शार्यः शीवगु धनरायगु विहायि, नो जीने शुखान जानामि न क
सर्वोन्नयानयमु लनयं दृष्टु सल यिग ॥ ५३ ॥ थन वि सुवि, न जान आज्ञा दय न न
हसन धकं गता न वा र्यः श्रीश्च शुधना द विया, वृगु धर्म धक शया गुवि, दिन गव न वसे
दन दयं मन क्षा सियां मद, सनं, विया गुवि यमु क ज्ञ न यानि रव न य, थया जा जानं डर

२४

॥ गट नं या व मु यु कं म दा सं वृ क्षे जा न ट द्धु जन क य गि म म न डु य न, म शु ड
न वि सं ॥ ५४ ॥ थन वि, थ व मु क, न जान नु क न या ड, म दा सं वृ क्षे न, हि न यु न रा
न अनाया जान ड ह न दे स न ज म गु लि नु व न स डि ड नं शु श्रा श यो ध क थ लि ॥
॥ गा व दा यां ग श्रा य ड ग यु व न दे स ना य र्म शु य ना य म मा रि वा र व षा न मु ग श्रा व ॥
५५ ॥ दे स न ज मो था स स, डि वा र य दा, थ गु वि नु व ल द वि ग न य वि डु स न या य द

विद्या गुलि धर्मसिद्धिं गिरु श्यामुडन डिमनसु, हाविन गुआरु का गल्कलनं उ
 गुमि धाम् जि का दयने मान धर्म का जान धाम् ॥ ॥ सन वाव यव सुना जा सुहा नात्र
 नाजा स्य ना ग ना दवाया गा ये ना सुयाक ॥ ५५ ॥ सन धन दम हा नाउ डिउरय थथा २५
 आय उ वा जां सन ना निरु जान थ दविगन य निरु धर्म वर उदा थ स थान क न श
 नम ॥ उ ग य व न द विगन न गिरु गिरु धर्म आ स न ना ना य र म दान व संधा वि

दिगः न जा रु म ना रा ग्य न या म ॥ ५६ ॥ य र थ गु थाम् सन ना जा निरु थ धर्म द न
 थाम् थान क न जान थ गु विरु व न स द विगन य निरु द म द या वि थ धर्म द थाम् स न
 ना रु न ग स्य न या वि जा ग स्य न यि का दिन ज न ग स्य न र का दया श वान थथा वा द
 य द उ ना जान धाम् ग र डि न रा ग्य धर्म द विगन उ न सन म ना गा धर्म ॥ ॥ ग
 न हा विरु क र्थ द विगन लि हा क न स्या का स दालि न सिगः न जा न संधे न द सिग

सन पृष्ठ ॥ ७८ ॥ यथा स नृप राजा अनिकुसुम इव द्वा नृपयसः आकासनं देविग
 नयनि सन राजा याग आह्वये क स हन दे म ह न राजा धर्म सलं जिमि सन क ने धून
 धर्म सन या क क द धर्म ॥ ॥ न जा तु वा क धर्म न य न न म स्का न कि लो य सा ग न
 ॥ ७९ ॥ यथा स नृप राजा अनिकुसुम इव द्वा नृपयसः आकासनं देविग नयनि सन
 अत्रि सु य न स दे वि य नि न म स्का न या ग न न ग य का न न न म स्का न या य धून का ॥

२६

नः नमः त्रा दो हि मा ग रा म हा सर्व ल म रु ना स का ने न या द य ड ना दि कं रु त्वा राजा
 कृ न मा नि ॥ १३ ॥ धनं नि य ल मा न य जा य नि स न न राजा नि हा ज न ध क उ
 म ना या ॥ पु न मा न रु त्वा दि नं सु क ले न ग न न वि हा ज डा ज न राजा न म ल ज न न
 जा या ग पु न मा न य जा नं सु क स न न म स्का न या डा ज म रु ज ड मा न य या डा ज न
 अ ग दे वि य ना ग ॥ ॥ यं मा ग राज घ न या द य द्वा न न म य ना ज आ वि गः स न या द य

कालयगो॥ १५॥ धननित्रायायादयुक्तात्रयायननत्राज्ञानजज्ञादयकले
 धनरुयादुननुमिसिउधकधननयापुमिसिगकलधनलित्राजायायादकयाग
 ॥ ॥ अरुयथंराजायिउमरुयंमिनाजाज्ञानंरगंघुल्लकाप्रथमलत्रस्यनयका २८
 प्रयिकार्यश्चाडात्राजायकालिग॥ १६॥ ॥ यथेयस्यनमानयनिसह्यज्ञानुधि
 यिरवह्नागुसिजिसराजाधुनिगुरुमंगरुनात्राधकं धनत्रायायाज्ञानरुगनाह

[illegible]

यथा नामान् सन गुक उवादा ह्यक नाम यलि कायाग थक सन गुक उवादा
 साशयाग श्रीश्चुधनाद विद्याय मुद्रुर्मदन कन ॥ ॥ नाजयु रिमिज्जुल न
 समाखसहिगन कि य ल बुदौगद विद्युमुं धा विगः खर सुर्धु पुन द्विवायागः ३०
 यनं द्विफ ॥ ६१ ॥ थश्चुकादय ना जायु र्गिग सुग द्विडा शाक सन सन यन मान
 उवादिनं थन सन थ श्रीश्चुधनाद विद्याय मुद्रुर्मदन थश्चुकादय नाकाया

कनागत्रुगद विन मय शुग का ह्यडा शवा दागु विद्युक थशवा हागिन उगदु डाडा
 म्मावनकुमिकत्रु शाग ॥ ॥ यनश्चुन नि मना र्गिगि स माग ना यद उमन ना थं पु
 नदिनं यक थ विउ का मंगुला दि वायु कि नाजा हावयागः र्गिगि का धर्म संह
 सला वागाय ना धागि थगि ॥ ६३ ॥ थथरुलेन वि थक नाया या कनाग मय सन य
 क निमावन सग याक निमद विद्यायुगि निशव थक खाणि निन नाज गद स

[illegible][illegible]

येष्टु धामाद विद्या युग धर्मद द्वाडा वा कान् यदेव स राजकाव स वा द्वा यथ द्वाडा
 यव स वृद्धदेवेन यग जुग का वग दू रु रु का गु नियुग का जि य रु ग डा व थ गु लि
 यग जुग का जि न रु या रु म हा ना नि रु द दि य श्री इव जु धा माद विद्या वग धर्म
 सि सि स्य नंद स विव व या डा सु वि सान य दि ग या डा डा वि ग म य न ग न सान के थ
 गु नि धर्म वृद्ध भे नू या थ के म हा ना नि थ के ॥ ॥ य गि व नं गु ला य म् य धा मा

३२

यामि हा णि के क ला नि थो व ग मा ना श्री के नि य मि ॥ ६७ ॥ य नं हा मि नि या व व
 न रु डा डा नि य द दि न धा न रु व मि नि जि डा र व थ के गु सि सान या डा डा श्री इव जु
 धा माद विद्या धर्म द न्य थ के यथ धा या डा नि य द दि र न नि थ य नि नि रु स न
 गु वि या डा डा थ य गु धा माद विद्या वग धर्म द द्वा डा कान् ॥ ॥ गु गा गु नं इ श्री इ व गु
 धा मा वि मि र् य धा वृ द न राजा हा ल गु हा मि गु ने स ला य डा डा न मा ग न रु क श्री

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ यत्नं लिख्यते यत्नं वादयितुं विना
 यास्यति जगत् ॥ यत्नं लिख्यते यत्नं वादयितुं विना
 न च के वगनायाग ॥ ११ ॥ यत्नं लिख्यते यत्नं वादयितुं विना
 दायात्तु न दयितुं विना ॥ १२ ॥ यत्नं लिख्यते यत्नं वादयितुं विना
 यत्नं लिख्यते यत्नं वादयितुं विना ॥ १३ ॥ यत्नं लिख्यते यत्नं वादयितुं विना

[illegible]

वृक्षगम... मरुतवन... राविवाल्मना यत्राजा द्वा लमि मृमि ॥ ६० वाथ मेव
 प्रियारय इच्छा... मिनिन... मशदा... युगदविया... नाययाग...
 विदमरुतानि... माश्यामाम... धक... यानयिवात्रयाय...
 वृष्टिजि... मिजि... नाउदात्रम... वान... धकिवक... दविव... मम...
 मरुनगि... कुडन... मि... मुगया... नंदमय... मारुमा... मरुन...

३५